



# राज्य मानचित्र

## जम्मू और कश्मीर JAMMU AND KASHMIR पैमाना 1:500,000



भारतीय सर्वेक्षण विभाग SURVEY OF INDIA  
प्रथम संस्करण 2025. मूल्य : ₹ 135/-



### जम्मू और कश्मीर की गौरवशाली भूमि

विमान की छवि में खस जम्मू और कश्मीर के केंद्र जम्मू प्रदेस का प्रथम में 1947 की घटना के बाद के समय में है। जम्मू-कश्मीर का इतिहास अत्यंत प्राचीन और वैभवशाली है। फक्त जम्मू ही कि प्राचीन काल में कश्मीर की घाटी गौरवशाली नामक एक विशाल द्वीप थी, जिसे प्राचीन काल में सुषकार मान्य स्वामी के चोगा कनाग में घाटी नाम कश्मीर कहा गया था। भूमि के भौतिक, जलवायु, पर्वत, जलम और जीवन जैसे अनेक प्राकृतिक सौंदर्यों का अत्यंत संपन्न है। 1846 में महाराजा रणजित सिंह ने इसे एक स्वतंत्र विभाग के रूप में स्थापित किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 1947 में महाराजा हरि सिंह ने भारत के साथ निवास का निर्णय किया, जिससे जम्मू-कश्मीर भारत का अंतिम अलग बन गया। वर्ष 2019 में इसे पूर्णतया चर केंद्र जातिगत प्रदेस का दर्जा दिया गया, जिससे विकास, शांति और प्रगति के नए दरू प्रदत्त।

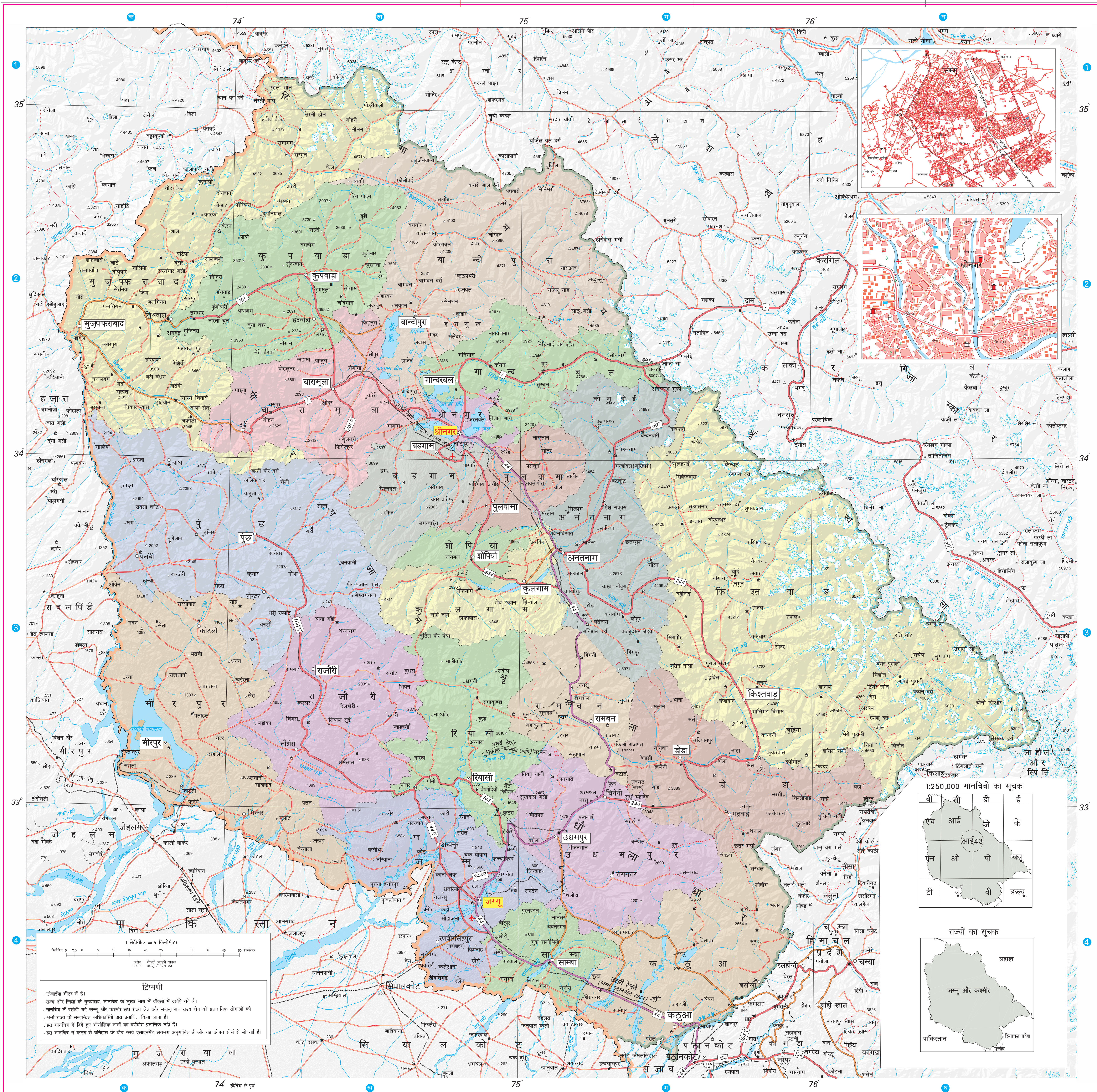
जम्मू-कश्मीर प्राकृतिक विविधता और आध्यात्मिक परंपरा का अद्भुत संगम है। जम्मू, जो इसके प्राचीन नगरीय का शहर कनाग जम्मू है, जम्मू में स्थित जम्मू महार, रणजित महार, राजमल महार, शिव महार और बंदा किंग महार जैसे प्राचीन सिंधु स्थल हैं, जहाँ प्राचीन सभ्यता अद्भुत दर्जन दर्ज करती अनेक है। वहीं कश्मीर घाटी में अत्यंत गुरु महार, जगतेश्वर देवदार, जंगलजहाँ महार, सौर भवानी महार और चण्ड-चण्डिका देवदार जैसे प्राकृतिक स्थलों की श्रृंखला है, जो इस भूमि की आध्यात्मिक समलया और सार-असिलया का प्रतीक है।

जम्मू-कश्मीर की अर्थतंत्र है। औद्योगिक की अर्थतंत्र है। अर्थतंत्र की शक्ति, अपनी सुदृढ वास्तुशास्त्र और पूर्ण के प्रयोग की शक्ति देना, जम्मू में स्थित जम्मू महार, राजमल महार, राजमल महार, शिव महार और बंदा किंग महार जैसे प्राचीन सिंधु स्थल हैं, जहाँ प्राचीन सभ्यता अद्भुत दर्जन दर्ज करती अनेक है। वहीं कश्मीर घाटी में अत्यंत गुरु महार, जगतेश्वर देवदार, जंगलजहाँ महार, सौर भवानी महार और चण्ड-चण्डिका देवदार जैसे प्राकृतिक स्थलों की श्रृंखला है, जो इस भूमि की आध्यात्मिक समलया और सार-असिलया का प्रतीक है।

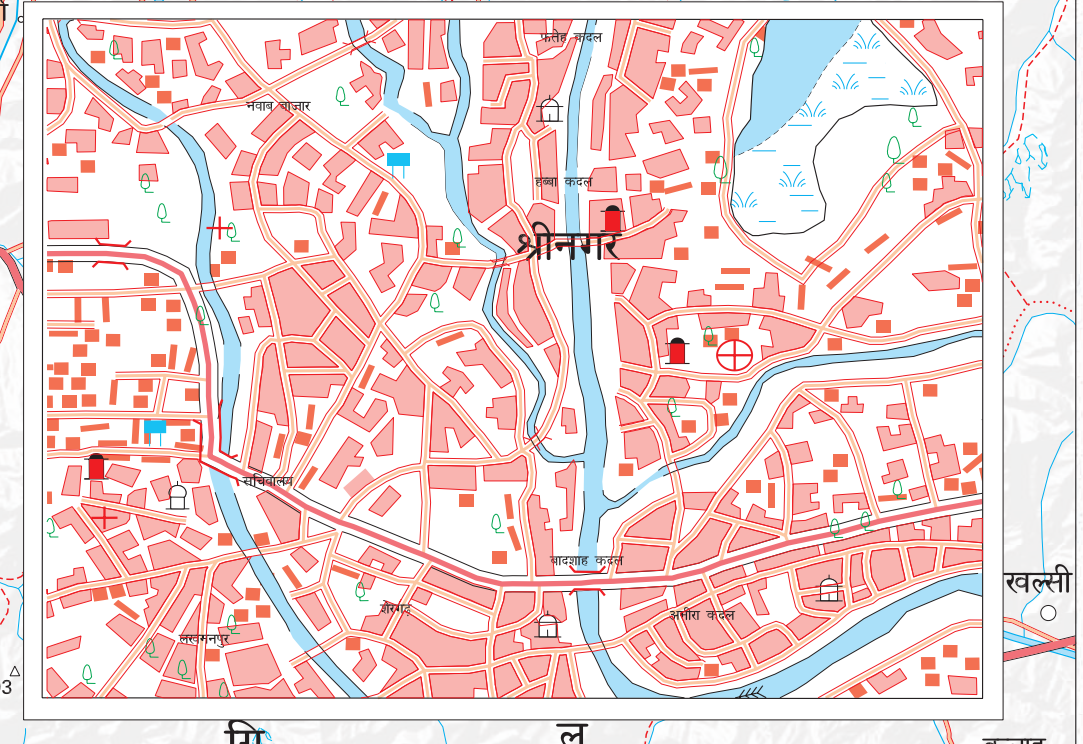
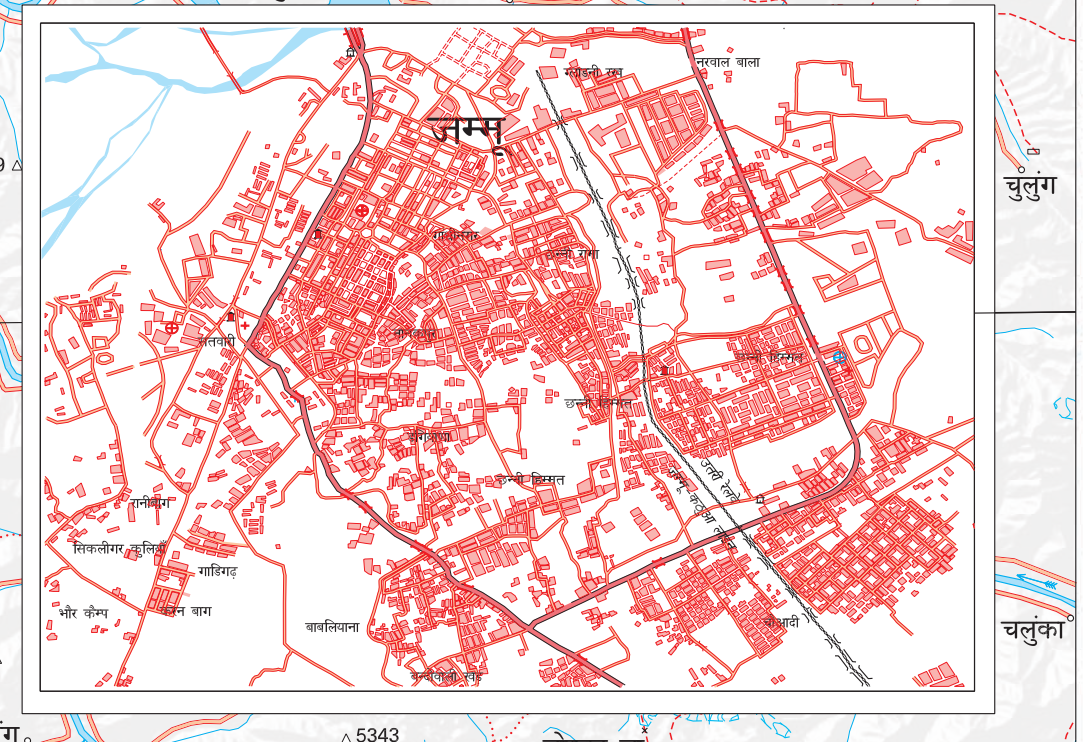
अपना जम्मू-कश्मीर केन्द्र एक भौतिक क्षेत्र नहीं, बल्कि जीवन विमान है- सादर, सौंदर्य, अर्थतंत्र और नैतिक की अद्भुत सिलया है। घाटी के लंबे अनेक समलया, जीवन और अर्थतंत्र के लिए जन्मे जन्मे है। अपनी आध्यात्मिकता, प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और आधुनिक विकास की शक्ति में अत्यंत बड़े प्रदेस समलया में भारत का 'सर्वोत्तम मंत्र' है।

#### निर्देश

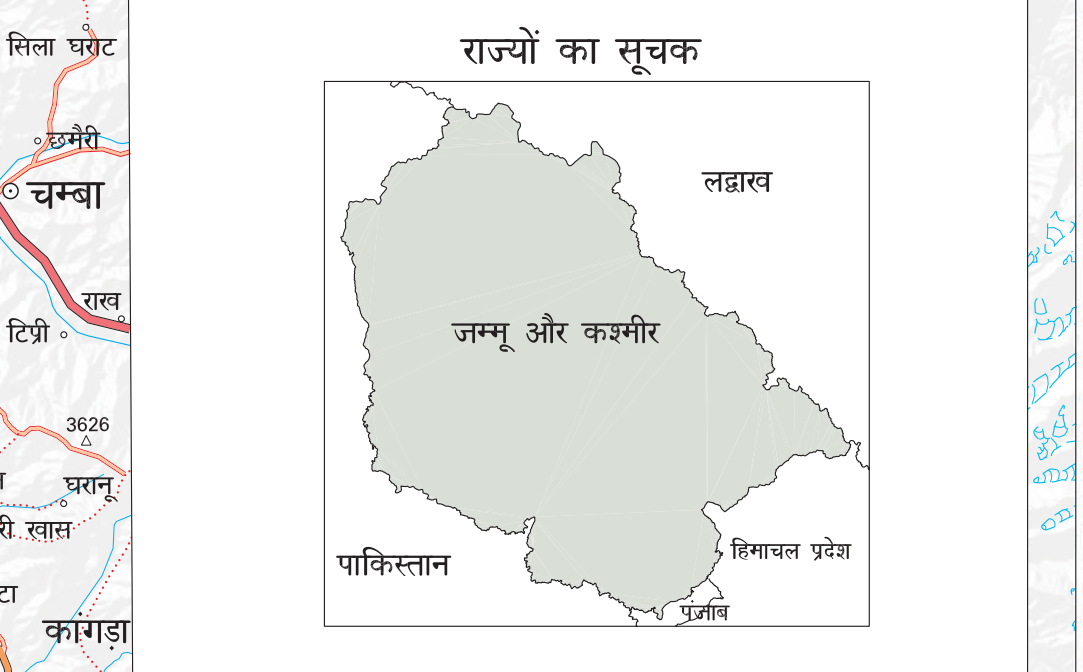
राज्य के मुख्यालय का नाम	श्रीनगर, जम्मू
जम्मू के मुख्यालय का नाम	श्रीनगर
जम्मू का नाम	रियासी
जम्मू का नाम	रियासी
जम्मू का नाम	रियासी
जम्मू का नाम	रियासी
जम्मू का नाम	रियासी
जम्मू का नाम	रियासी
जम्मू का नाम	रियासी
जम्मू का नाम	रियासी
जम्मू का नाम	रियासी
जम्मू का नाम	रियासी



रैशि 35.5 भा. म. सि. मु. की 25 (स. अ. म. आ. स. अ. म. की 25) 1:500,000 - 60. 5 प्रथम संस्करण 2025.



बी	सी	डी	ई
एच	आई	जे	के
एन	ओ	पी	क्यू
टी	यू	वी	डब्ल्यू



भारत के मानचित्रक विभाग द्वारा एक संकलन, भा.स.स. के विभाग में प्रकाशित, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, लाहौरकला एस्टेट, पॉस्ट बॉक्स नं. 37, डेरदुल्हा - 248001 (असुरकसत) विमान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार। 2025.

भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मुद्रणालय द्वारा मुद्रित। © भारत सरकार प्रतिव्ययधिकार, 2025. [www.surveyofindia.gov.in](http://www.surveyofindia.gov.in)